Literacy for a Billion

Movie: Shagird
Year: 1967

Song: Dil Wil Pyar Vyar
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

अय्या ...
अय्या ...
अय्या ...

दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे

दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार
अय्या ...

तू है बुरा तो होगा
पर बातों में तेरी रस है
जैसा भी है मुझे क्या
अपना लगे तो बस है
घर हो तेरा
घर हो तेरा
जिस नगरी में

चाहे जो हो तेरा नाम रे
घर वर नाम वाम
मैं क्या जानूँ रे

घर वर नाम वाम
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार

आदत नहीं कि सोचूँ
कितनों में हसीन है तू
लट में हैं कितने घूँघर
नैनों में कितना जादू
बस तू मोहे
बस तू मोहे
अच्छा लागे
इतने ही से मुझको काम रे
लट वट नैन वैन
मैं क्या जानूँ रे
लट वट नैन वैन
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार

कुछ जानती तो कहती

रुत बनकर के मैं खिली हूँ
डाली सी झूमती मैं
साजन से आ मिली हूँ
तू ही जाने
तू ही जाने
रुत है कैसी
और है कितनी रंगीं शाम रे
रुत वुत शाम वाम
मैं क्या जानूँ रे
रुत वुत शाम वाम
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे

दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार
मैं क्या जानूँ रे
जानूँ तो जानूँ
बस इतना कि मैं
तुझे अपना जानूँ रे
दिल विल प्यार व्यार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.